दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–1)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2201**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: ISHWAR LAL GURJAR **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): ____________ **Reg. Number:** ____________

Center & Date: ____________ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

⇒ भूमिका सामान्यतः संक्षिप्त एवं सटीक लिखा गया है। प्रश्न सं० 5, 11, 13 की भूमिका सारगर्भित तरीके से लिखें।

⇒ उत्तर के सभी संदर्भों की चर्चा करना अच्छा प्रयास है आपका। प्रश्न सं० 2, 7, 12 के सन्दर्भों के लिए की गई टिप्पणी पर ध्यान दीजिए

⇒ विषय-वस्तु एवं तथ्य का ज्ञान पर्याप्त है।

⇒ भाषा-शैली एवं प्रवाह ठीक है।

⇒ निष्कर्ष संक्षिप्त एवं सटीक है। कहीं-कहीं निष्कर्ष को वर्तमान से भी जोड़ सकते हैं: जैसे प्रश्न सं० - 5, 6, 9

⇒ कुछ-कुछ शब्द स्पष्ट नहीं हैं, इस पर ध्यान दें। कहीं-कहीं शब्दों के बीच तथा दो लाइनों के बीच पर्याप्त गैप देने की आवश्यकता है।

⇒ समग्रतः आपका प्रदर्शन = Good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. स्वतंत्र भारत में सहकारिता आंदोलन के उदय के लिये कौन से सामाजिक-आर्थिक कारक जिम्मेदार थे? साथ ही, इस आंदोलन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

What were the socio-economic factors responsible for the emergence of the cooperative movement in post-independent India? Also, highlight the key characteristics of this movement. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्र भारत में सहकारिता का उदय 19वी सदी के उत्तरार्द्ध में हुआ तथा यह 20वी सदी में राष्ट्र आन्दोलन के समानांतर विकसित होता रहा।

अच्छा है

सामाजिक कारक →
- सहकारिता भारतीय समाज का परम्परागत मूल्य रहा
- भारतीय समाज कृषक समाज रहा
- पशुपालन एवं कृषि में सहकारिता की अधिक संभावना
- पश्चिमी मूल्यों का प्रसार [प्रसार]
- महिलाओं की भूमिका
- स्वदेशी की भावना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आर्थिक कारण →
* संस्थागत ऋण का अभाव
* साहूकारिता, ऋण जाल
* स्वदेशी, कुटीर उद्योगों का विकास हुआ
* मजदूरों, श्रमिकों का सहयोग
* भूमिहीन वर्ग की अस्थिति

Good

स्पष्ट लिखें

विशेषताएँ →
* दुग्ध उत्पादन, सहकारी कृषि
* किसान सहकारी समितियों का विकास हुआ।
* मजदूर संघों ने भी भाग लिया।
* राष्ट्र आन्दोलन से जुड़ाव
* महिलाओं की भूमिका अधिक

अच्छा है।

4

अतः भारत में एक "सबका, सबका के नारे" के साथ सहकारी आन्दोलन ने सामाजिक बदलावों में बड़ी भूमिका निभाई

बड़ी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. स्वतंत्र भारत के बाद दलित आंदोलन के कई प्रवृत्तियों का उदय हुआ। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
Post independent India witnessed emergence of multiple trends of Dalit movement. Analyse. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता के बाद दलित आन्दोलन अन्य कई रूपों में सामने आया जिनमें राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्वरूप महत्वपूर्ण रहे।

प्रमुख प्रवृत्तियाँ → * आजादी के बाद तथा दलित नेता B. R. अम्बेडकर के निर्वाण पश्चात दलित नेतृत्व में शून्य की स्थिति रही।

स्वतंत्रता पूर्व कुछ दलित आंदोलनों की चर्चा करें
• पेरियार
अम्बेडकर आदि के कार्य

* दलित आन्दोलन का स्वरूप 1980 के दशक में जाति राजनीतिक हो गया जब कांशीराम जी ने दलितों को राजनीतिक रूप से संगठित किया।

* दलित पैंथर्स जैसी आक्रामक दलित पार्टियाँ भी अस्तित्व में आई जिन्होंने आक्रामक रूप से दलितों के मुद्दों को उठाया।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं को भी शामिल करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① 1973 में बिहार के बेलछी काण्ड के बाद दलित आन्दोलन ने जातिय संघर्ष के रूप ग्रहण कर लिया।

② 1980 के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी द्वारा दलितों को राजनीतिक चेतना दी।

③ प्रमुख मुद्दे →
- सामाजिक व्यवस्था में बदलाव जैसे- विवाह में घोड़ी
- भूमिहिन वर्ग की माँग।
- आरक्षण का मुद्दा।
- जातिय हिंसा जैसे - बेलछी काण्ड

अतः हम कह सकते है कि आजादी के बाद दलित विमर्श की कई धाराएँ दिखी है।

निष्कर्ष में दलित आंदोलन से हुए दलित सशक्तिकरण को वर्तमान से जोड़ कर प्रभावी बना सकते हैं।

3

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय समाज में पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव हुआ है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्द) 10

Globalization has resulted in a clash between the traditional and modern values in Indian society. Do you agree? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण से तात्पर्य देशों के मध्य विचारों, मूल्यों, तकनीक, पूँजी एवं श्रम के मुक्त प्रवाह से है जहाँ देश आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रूप से अन्तर्सम्बंधित होकर ग्लोबल विलेज का निर्माण करते है।

Good

पारम्पारिक और आधुनिक मूल्यों के मध्य प्रमुख टकराव के बिन्दु

पारम्पारिक मूल्य	आधुनिक मूल्य
जाति और धर्म आधारित वर्ण व्यवस्था। eg- ऊँची जाति-निम्न जाति	आर्थिक स्थिति अधिक महत्वपूर्ण eg- निम्नवर्ग-मध्यवर्ग
रीति रिवाजों की अधिमत eg- विवाह परम्परा	उपभोक्तावादी उत्सव eg- लिविंग रिलेशन
जातिवाद/क्षेत्रवाद/भाषावाद के मुख्य मुद्दे	सामाजिक गतिशीलता

very good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ संयुक्त परिवारों का विघटन हुआ तथा एकल परिवारों का विकास

↳ पारम्परिक मूल्यों में बड़ों का आदर एवं मानवीय सम्बंधों को महत्व दिया जाता था जबकि आधुनिक मूल्यों सम्बंधों को उपयोगितावादी बना दिया।

↳ सांस्कृतिक टकराव की स्थिति देखी गई

Eg- धार्मिक आस्था बनाम तार्किकता

पितृसत्तात्मकता बनाम समतामूलक

धर्मांधता बनाम धर्मनिरपेक्षता

रूढ़िवादी बनाम प्रगतिशील

हलांकि वैश्वीकरण ने न केवल परम्परागत मूल्यों एवं आधुनिक मूल्यों में टकराव पैदा किया बल्कि समाज में प्रगतिशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, कुरीतियों का उन्मूलन एवं रूढ़िवादिता को समाप्त करने में भी अपनी भूमिका निभाई।

Very good

5 1/2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4. ब्रिटिश भारत पर महामंदी के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the impact of the Great Depression on British India. (150 Words) 10

वर्ष 1929 में आयी वैश्विक महामंदी ने सम्पूर्ण विश्व की न केवल अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया बल्कि राजनीति, समाज पर भी गहरा प्रभाव डाला।

महामंदी के कारणों को संक्षेप में उल्लेख कर भूमिका और प्रभावी बना सकते हैं

ब्रिटिश भारत पर प्रभाव

↳ राजनीतिक प्रभाव →
- * श्रमिक संगठनों का तेजी से गहन विस्तार
- * साम्यवादी दलों का उदय
- * संवैधानिक सुधारों के लिए ब्रिटेन पर दबाव
- * ब्रिटिश सत्ता कमजोर

↳ आर्थिक प्रभाव →
- * विदेशी आयात में कमी
- * भारतीय देशी उद्योगों को बढ़ा
- * कुटीर एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा
- * बेरोजगारी बढ़ी => युवाओं में असंतोष
- * खाद्यान्न कमी
- * मंहगाई बढ़ना

उत्तर की संरचना एवं बिन्दु दोनों अच्छे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक प्रभाव →
- * महिलाओं की भूमिका में बढ़ोतरी [→ राजनीति, परिवार]
- * साक्षरता में कमी
- * संगठनों का विकास
  Eg- किसान संगठन, महिला संगठन

मंदी के कारण यूके और ब्रिटेन आर्थिक रूप से कमजोर हुआ तथा दूसरी तरफ उपनिवेशों में बढ़ते असंतोष के कारण उसके विरुद्ध विरोध में तेजी आई जिससे उसने संवैधानिक सुधारों की ओर कदम उठाया जैसे- गोलमेज सम्मेलन, 1935 के एक्ट में प्रांतीय स्वायत्तता आदि

——x——

निष्कर्ष अच्छा है

4

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत में भूमि सीमा कानूनों के विफल होने के कारणों का विश्लेषण कीजिये। साथ ही, भूमि सुधारों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में भूदान आंदोलन की भूमिका का आकलन कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the reasons behind the failure of land ceiling legislations in India. Also, assess the role of the Bhoodan Movement in achieving the objectives of the land reforms. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आजादी के बाद भूमि सुधारों को लागू करना कांग्रेस की पहली प्राथमिकता थी। अतः सरकार ने काश्तकारी एक्ट 1956, जमींदारी उन्मूलन, हदबंदी एवं चकबंदी जैसे कानूनी सुधारों को लागू किया लेकिन यह सफल नहीं हुए।

भूमिका में भूमि सीमा कानूनों को लाने के कारणों का संक्षेप में उल्लेख करें

भूमि सीमा कानूनों की विफलता के कारण:—

→ * बड़े भू-स्वामियों द्वारा कानूनों का दुरुपयोग किया गया।
  Eg- अपने रिश्तेदारों के नाम भूमि का पंजीकरण करवाना
  Eg- बंजर भूमि को लौटाना

→ * दोषपूर्ण क्रियान्वयन के कारण कानूनों का लाभ भूमिहीनों को नहीं मिला

→ * प्रति व्यक्ति 30 हैक्टर की सीमा अधिक थी जिसके कारण प्राप्त भूमि कम रही

Good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

↳ भूमि वितरण में भ्रष्टाचार के कारण अधिकांश भूमि महाजनों, प्रशासकों एवं नेताओं में बाँटी गई।

↳ पश्चिमी बंगाल एवं केरल जैसे कुछ राज्यों के अलावा सरकारी उदासीनता एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव के कारण भूदान विफल हुए।

good

भूदान आन्दोलन की भूमिका - विनोबा भावे द्वारा गांधीवादी तरीके से भूमि सुधार का प्रयास किया। ↳ भूदान एवं ग्रामदान आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जमींदारों द्वारा स्वेच्छा से अपनी भूमि को भूमिहीनों को दान की

↳ अहिंसक एवं स्थाई समाधान

↳ गाँव के सौहार्द को बनाए रखने में सहायक

हालाँकि भूदान भी अपने लक्ष्य में सफल नहीं हुआ लेकिन यह अपनी तरह का अनोखा प्रयोग था।

अच्छा प्रयास है।

3½

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारत में स्वतंत्रता के बाद से विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of women in various social, political and environmental movements since independence in India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में महिलाओं ने राजनीतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें सरोजनी नायडू, उषा मेहता, अरुणा आसफ अली ने प्रमुख भूमिका निभाई।

good

स्वतंत्रता बाद महिलाओं की भूमिका

↳ सामाजिक आन्दोलन में महिलाओं ने विविध नागरिक संगठनों के साथ मिलकर कार्य किया जैसे - अरुणा राय द्वारा सूचना का अधिकार आन्दोलन का नेतृत्व किया गया।

* भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना आन्दोलन में भी महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

* सबरीमाला विवाद में भूमिका

↳ राजनीतिक आन्दोलन - आपात काल के दौरान तथा जे.पी की सम्पूर्ण क्रांति में कुछ महिलाओं ने अग्रिम भूमिका निभाई

(a) तेलंगाना राज्य गठन आन्दोलन में महिलाओं की भारी संख्या देखी गई।

आयाम और तथ्य अच्छे हैं। ↓ दो लाइनों के बीच पर्याप्त स्थान छोड़ें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

※ निर्भया कांड के खिलाफ आन्दोलन में नेतृत्व अधिकांश महिलाओं ने किया।

पर्यावरणीय आन्दोलन – मेधा पाटेकर का नर्मदा बचाओ आन्दोलन हो या गौरा देवी का चिपको आन्दोलन महिलाओं की भूमिका नेतृत्व के रूप में देखी जा सकती है।

अतः हम कह सकते हैं कि स्वतंत्रता पश्चात आन्दोलनों में महिलाओं की भूमिका सराहनीय रही।

निष्कर्ष में SDG (लैंगिक समानता) का उल्लेख कर सकते हैं

Good

3½

———— × ————

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. क्या रूस 1917 की क्रांति से बच सकता था? यह क्रांति अपने वादों को पूरा करने में कहाँ तक सफल रही? (150 शब्द) 10

Could Russia have avoided revolution in 1917? How far was the revolution successful in fulfilling its promises? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 1917 में जारशाही के खिलाफ रूस में क्रांति हो गई। इसका मुख्य कारण निरंकुश राजतंत्र व्यवस्था, भूमि का संकेन्द्रण, आर्थिक असमानता, कुलीन वर्ग के विशेषाधिकार, अनावश्यक युद्ध और देश की आर्थिक स्थिति दयनीय होना था।

good

क्रांति से कैसे बचा जा सकता था उल्लेख करें

क्रांति की सफलता – क्रांति के बाद गठित सरकार ने रूस को युद्ध से बाहर निकालने का वादा किया

* भूमि सुधार की घोषणा की लेकिन लागू नहीं किए गए।

* किसानों की हालत में सुधार नहीं हुआ

* इसलिए रूसी क्रांति केवल कुछ कुलीन पूंजीपतियों की सरकार बनकर रह गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्रांति की असफलता ने अक्टूबर क्रांति को जन्म दिया तथा बोल्शेविक पार्टी सत्ता में आती है। लेनिन के नेतृत्व में सोवियत सरकार का गठन होता है।

अतः हम कह सकते हैं कि क्रांति की असफलता ने साम्यवादी दल को जड़ दी तथा आने वाले सालों में रूस में साम्यवादी मॉडल सत्ता में रहा।

——— x ———

क्रांति के दौरान किये गये वादों तथा क्रांति के सकारात्मक नकारात्मक पहलुओं में तुलना करें

2½

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. सोवियत संघ के पतन ने चमत्कारिक ढंग से शीत युद्ध की समस्या का समाधान किया लेकिन नई समस्याओं को भी प्रज्वलित किया। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The collapse of the USSR miraculously solved the problem of the cold war but ignited new problems too. Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् सम्पूर्ण विश्व दो गुटों में बँट गया था।

साम्यवादी — 1947 - 1991 ई. — पूंजीवादी

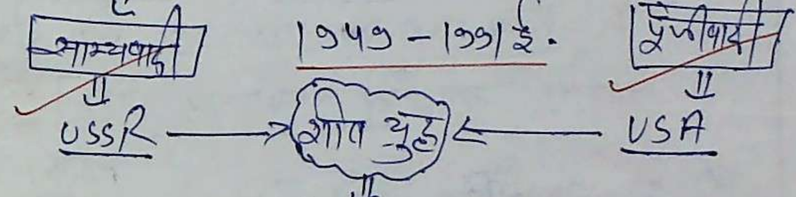

USSR → शीत युद्ध ← USA

- मनोवैज्ञानिक स्तर पर लड़ा गया
- विचारधाराओं का युद्ध था इसमें भौतिक रूप से युद्ध नहीं हुआ

सोवियत संघ का विघटन एवं शीत युद्ध की समाप्ति

- वर्ष 1991 में USSR का विघटन हुआ जिससे 15 नए देशों का निर्माण हुआ तथा रूस की ताकत अत्यंत कमजोर हुई।
- अमेरिका के नेतृत्व में विश्व एकध्रुवीय हो गया अब USA एकमात्र महाशक्ति था
- साम्यवादी अर्थव्यवस्था असफल पूंजीवादी मॉडल सफल।

good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शीत युद्ध की समाप्ति और नई समस्याएँ

* USA के एकमात्र महाशक्ति होने से विश्व का शक्ति संतुलन बिगड़ गया।
* USA का प्रभाव राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं विश्व व्यवस्था पर पड़ा जो दीर्घकालीन रूप से नकारात्मक रहा। *कैसे? संक्षेप में बताएँ*
* भू-राजनीतिक विवादों से जन्म — ईरान-इराक, ईरान-अरब
* USA की पूँजीवादी एवं मुक्त बाजार पर अतिशय जोर इन से विकासशील देशों पर प्रतिकूल प्रभाव। *बाजार*

अतः हम कह सकते है कि शीत युद्ध की समाप्ति ने एक नए वर्ल्ड ऑर्डर को जन्म दिया जो पश्चिमी देशों की तरफ झुका हुआ था।

— x —

Very Good

A 1/2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत की महिलाओं की स्थिति में सुधार गरीबी उन्मूलन में अत्यधिक योगदान दे सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Improving the condition of women of India can immensely contribute to poverty alleviation. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

IMF के अनुसार भारत में महिलाओं को पुरुषों के समान श्रमबल भागीदारी हो तो भारत की अर्थव्यवस्था 27% बढ़ सकती है। *good*

महिलाओं की वर्तमान स्थिति →
- श्रमबल में भागीदारी मात्र 23% है।
- साक्षरता दर – 65%
- 92% महिलाएँ घरेलू अवैतनिक श्रम करती है जिससे उनकी उत्पादकता घटती
- समान पारिश्रमिक नहीं मिलता
- स्वास्थ्य एवं पोषण के बुरे हालात

महिलाओं की स्थिति में सुधार कर निम्न प्रकार से गरीबी उन्मूलन किया जा सकता है—

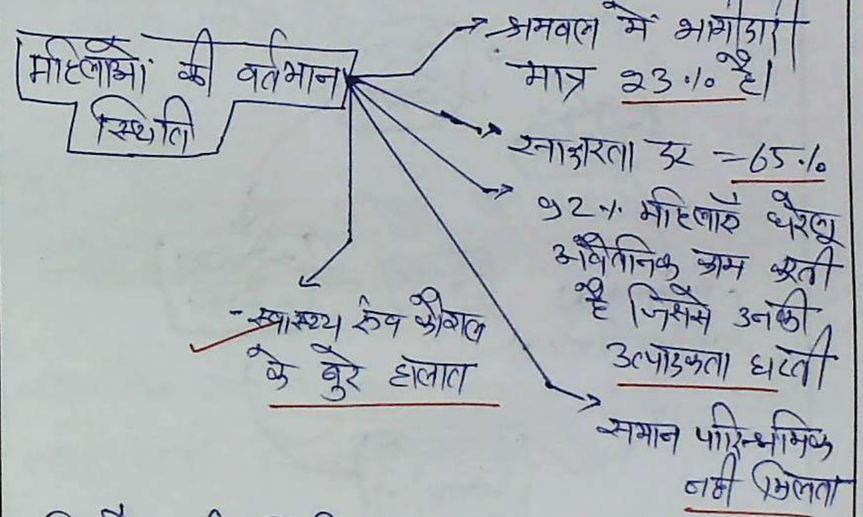

(1) स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार करके—
- 52% महिलाओं को एनीमिया है
- मातृत्व मृत्यु दर प्रति लाख पर 113 है।

लाभ →
- महिलाओं की उत्पादकता बढ़ेगी
- आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

महत्वपूर्ण तथ्यों को रेखांकित करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(2) रोजगार के अवसर एवं बेहतर कार्य अवस्था
- -> श्रमबल में भागीदारिता बढ़ेगी
- -> सिलाई, कढ़ाई, पाक कला में उत्पादन बढ़ेगा => प्रति परिवार आमदनी बढ़ेगी

(3) राजनीतिक भागीदारी बढ़कर
- -> नीति निर्माण में महिला पक्ष / संवेदनशीलता
- -> मनोवैज्ञानिक प्रभाव

एक शिक्षित एवं स्वस्थ माता द्वारा परिवार को गरीबी से निकालने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। => SDG का भी उल्लेख कर सकते हैं।

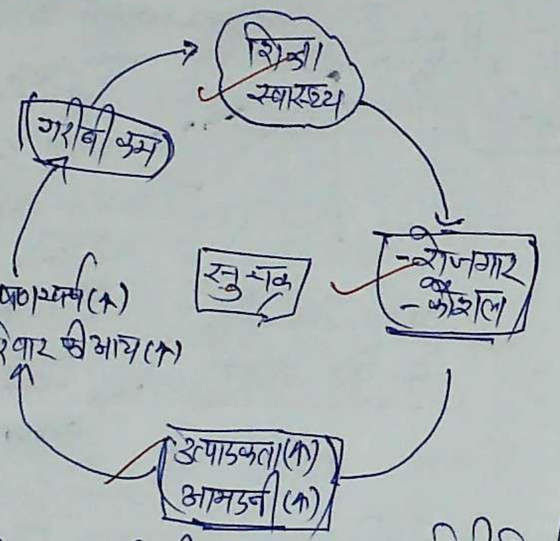

Very Good

5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. शहर अपने निवासियों को गाँवों की तुलना में अज्ञातवास प्रदान करते हैं। विवेचना कीजिये कि कैसे शहरीकरण ने भारत में जातिगत पहचान को कम करने में मदद की है? (150 शब्द) 10

Cities offer relative anonymity to their inhabitants. Examine how urbanization has helped in diluting caste identities in India? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 32% आबादी शहरों में रहती है जो अब बढ़कर 34% हो गई है और 2030 तक 40% आबादी शहरों में निवास करेगी।

शहर अपने निवासियों को निम्न प्रकार से गाँवों की तुलना में अज्ञातवास प्रदान करते हैं—

(1) शहरों में व्यक्ति की जातिगत, सामाजिक एवं धार्मिक पहचान उतनी प्रासंगिक नहीं रहती जितनी गाँवों में।

(2) शहरों में विविध जाति, धर्म एवं संस्कृतियों के लोग एक साथ रहते हैं अतः शहरों में सामाजिक गतिशीलता अधिक है

(3) आर्थिक स्थिति अधिक प्रभावी होती है। जैसे- निम्न वर्ग - मध्यम वर्ग

(4) शहरों में सर्वेक्ष व्यक्तिवादी उपभोगितावादी होते हैं

very good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शहरीकरण द्वारा जातिगत पहचान में कमी के कारण

जातिगत निर्योग्यताएँ शहरों में कम होती है जैसे- अस्पृश्यता संभव नहीं।

- जातिय परम्परा, पंचायत नहीं
- आर्थिक स्थिति को अधिक महत्व
- अंतरा जातिय सम्बंधों में बढ़ोतरी
- वैवाहिक व्यवस्था में बदलाव
- खान पान की जातिगत बाध्यता।

very good

शहरों में शिक्षा एवं जागरूकता अधिक है।

→ जजमानी व्यवस्था नहीं क्योंकि सब बाजार पर निर्भर है।

→ योग्यता / कौशल को महत्व अधिक

आधुनिक मूल्य
- तार्किकता, वैज्ञानिकता
- गतिशीलता
- समता व्यवस्था।

अतः भारतीय शहरों में जातिगत पहचान को कम महत्व दिया जाता है

—x—

संक्षेप में शहरीकरण से जातिवाद के बने रहने के कारणों का भी उल्लेख करें।

5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. भारत में आज भी अस्पृश्यता कायम है। अस्पृश्यता के विरुद्ध उपलब्ध संवैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लेख कीजिये। भारत में अस्पृश्यता के उन्मूलन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख कीजिये? (250 शब्द) 15

Untouchability continues to persist in India even today. Mention the constitutional safeguards available against untouchability. Also enumerate the challenges faced in the eradication of untouchability in India? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

NCRB के आँकड़ों को देखे तो जातिगत हिंसा अपराधों का एक प्रमुख कारण है। आज भी गांवों में जाति एवं वर्ण प्रधान व्यवस्था का समूल उन्मूलन नहीं हुआ है।

भूमिका में अस्पृश्यता को परिभाषित करें।

संवैधानिक सुरक्षा उपाय

→ अनुच्छेद-14 में समानता के मौलिक अधिकार में भेदभाव को अपराध माना।

→ अनुच्छेद-15 में धर्म, जाति के स्थान पर सार्वजनिक स्थलों, होटल, रेस्तरां, कुओं को प्रतिबन्धित नहीं कर सकते

→ अनुच्छेद-17 अस्पृश्यता के उन्मूलन का प्रावधान करता है। यह पूर्ण मूल अधिकार है तथा यह राज्य एवं निजी व्यक्ति पर भी लागू होता है।

Article 338, 338(A) का भी उल्लेख करें

इसके अतिरिक्त संविधान की प्रस्तावना एवं नीति निर्देशक तत्व भी अस्पृश्यता के विरुद्ध है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता के उन्मूलन मे चुनौतियाँ

- (1) जातिगत व्यवस्था अभी भी समाज में मौजूद है।
- (2) जाति आधारित हिंसा एवं
- (3) SC/ST अत्याचार संघर्षों का होना, निवारण Act 1989 का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं
- (4) गाँवों मे आर्थिक पिछड़ापन, वंचना एवं निरक्षरता अस्पृश्यता को बढ़ावा देती
- (5) जातिवादी संगठनों का बढ़ता प्रभाव (जाति कमजोर हुई लेकिन जातिवाद बढ़ा)
- (6) नई अस्पृश्यता का जन्म
  - शहरी अस्पृश्यता
  - निम्न काम वालों
  - आर्थिक असमानता
- (7) पितृसत्तात्मकता का ढाँचा अभी भी मजबूत
- (8) विवाह हेतु जाति की बाध्यता ने जाति को मजबूत किया।

very good

बल्कि शहरीकरण, विकास, शिक्षा एवं कानूनी सुधारों से अस्पृश्यता का उन्मूलन संभव है।

very Good

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे की राह

- कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन
- समावेशी विकास
- राजनीतिक जागरूकता
- सौहार्दपूर्ण सामंजस्य बनाना।
- शिक्षा द्वारा प्रगतिशीलता को बढ़ावा देना
- विकास अस्पृश्यता का सबसे अच्छा इलाज है

अतः भारत मध्यकालीन कुरीति – अस्पृश्यता को व्यक्तिगत बदलावों के बजाय सामुदायिक प्रयासों से समाप्त कर सकता है

—— x ——

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. वर्साय की संधि अस्थिर शांति का अस्थायी आधार थी। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Treaty of Versailles was a patchwork for unstable peace. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

good

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) की समाप्ति एवं मित्र राष्ट्रों की विजय के बाद जर्मनी (पराजित राष्ट्र) के साथ वर्ष 1919 में पेरिस शांति समझौता के तहत वर्साय की संधि की गई।

संधि के प्रावधान →
- जर्मनी पर युद्ध हर्जाना लगाया गया।
- सेना को कम किया
- शस्त्रीकरण पर रोक
- नौसेना निश्चित कर दी
- जर्मनी से कोयला और एल्सेस छीन कर फ्रांस को दिया
- आर्थिक रूप से जर्मनी को विकलांग बना दिया
- जर्मन संधिकर्ताओं के साथ अपमानजनक व्यवहार

क्षेत्र आर्थिक सैन्य
इस structure में प्रावधानों को वर्गीकृत उत्तर प्रभावी बना सकते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्साय की संधि इतनी अपमानजनक और पक्षपातपूर्ण थी कि इस शांति समझौता न कहते हुए ब्रिटिश कमांडर ने केवल 20 वर्षों का युद्धविराम मात्र बताया।

परिणाम →
- जर्मन राष्ट्रवाद को अपमानित कर कुचल दिया। जिससे लोगों में बदले की भावना जगी।
- वाइमर गणतंत्र को संधि स्वीकार करने के कारण अलोकप्रिय हुआ और जनता ने हिटलर को चुना। स्पष्ट लिखें
- अपमानित राष्ट्रवाद ने उग्र राष्ट्रवाद का रूप लिया।
- हिटलर का उभार हुआ।
- जर्मनी आर्थिक रूप से पंगु बना
- जर्मनी के संसाधनों की लूट की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

(*) वर्साय की संधि ने जर्मनी में उग्र-राष्ट्रवाद (नाजीवाद) को उभरने का मौका दिया तथा वाइमर गणतंत्र का पतन हो गया।

(*) नाजी पार्टी सत्ता में आई और हिटलर जर्मनी का चांसलर बना तथा बाद में नए विश्व युद्ध की परीक्षा।

(*) हिटलर ने जर्मनी का शस्त्रीकरण किया तथा अन्य देशों ने तुष्टीकरण की नीति अपनाई।

वर्साय की संधि के कारण ही 1939 में 20 वर्ष बाद यूरोप को द्वितीय विश्व युद्ध का अखाड़ा बनना पड़ा।

हिटलर एवं नाजीवाद के उदय को एक ही जगह लिखकर दोहराव से बचें

अच्छा प्रयास है।

6

बनना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

13. भारत जैसे देश में क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिये एक चुनौती है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Regionalism is a challenge to national unity and integrity in a country like India. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिभाषा सटीक लिखें ⇓ उन आधारों का भी उल्लेख करें जो
- भाषाई
- धार्मिक
- जनजातीय
- भौगोलिक

क्षेत्रवाद से आशय किसी क्षेत्र के प्रति राजनीतिक निष्ठा से है और जब क्षेत्रवाद > राष्ट्रवाद से बड़ा हो जाए तो देश की एकता अखंडता के लिए खतरा बन सकता है।

क्षेत्रवाद के कारक
- भाषा के आधार पर — eg- गोरखालैंड, मराठी भूमिपुत्र
- जनजातीय पहचान स्थाय — eg ग्रेटर नागालैण्ड
- क्षेत्र के आधार — eg- विदर्भ राज्य की मांग
- भूमिपुत्र अवधारणा

राष्ट्रीय एकता के लिये चुनौती के रूप में

क्षेत्रवाद के साथ हिंसा जुड़ने पर यह अलगाववाद का रूप ले सकता है जो देश की सुरक्षा हेतु खतरा।

जैसे:- खालिस्तान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ क्षेत्रवाद → उग्रवाद एवं आतंकवाद को बढ़ावा दे सकता है जैसे-
eg- कश्मीर घाटी में आतंकवादी घटनाएँ

→ राजनीति द्वारा क्षेत्रवाद देश में आपसी विवादों को जन्म देता है।
जैसे- मराठी v/s बिहारी

→ क्षेत्रवाद और अलगाव की भावना देश में आर्थिक संवृद्धि को बाधित करता है।
जैसे- विकास कार्यों का विरोध
- बाहरी कम्पनी का विरोध

→ आंतरिक सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। जैसे - नक्सलवाद

→ विदेशी ताकतों द्वारा प्रेरित अलगाववाद का रूप लेना eg- नागालैण्ड - भूटान

very good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपाय / आगे की राह

→ (i) क्षेत्रवाद हमेशा नकारात्मक ही नहीं होता यदि इसका सही प्रयोग किया जाए तो यह क्षेत्रीय पहचान को उभारकर
→ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाता है।
→ क्षेत्रीय संस्कृति का संरक्षण
→ पर्यटन में बढ़ोतरी
→ प्रतिस्पर्धी क्षेत्रवाद

good

(i) केन्द्र-राज्य एवं राज्यों-राज्यों के मध्य समन्वय कर मुद्दों को सुलझाना
eg- अन्तर्राज्यीय परिषद द्वारा

(ii) क्षेत्रीय परिषदों का प्रयोग सौहार्द हेतु
eg- उत्तरी पूर्वी परिषद, क्षेत्रीय परिषदें-(5)

अतः क्षेत्रवाद की अवधारणा को राष्ट्र की एकता में बाधा बनने की बजाय प्रतिस्पर्धी एवं सहकारी संघवाद में सहायक बनाने का प्रयास हो

Exc.

8½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. आपकी राय में, क्या राज्यों के भाषायी पुनर्गठन ने भारत को लाभ या हानि पहुँचाया है? (250 शब्द) 15
In your opinion, has the linguistic reorganization of states helped or harmed India. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

देश की आजादी के तत्काल बाद देश के समक्ष भाषायी राज्यों के पुनर्गठन का प्रश्न उठा। वर्ष 1948 में धर आयोग एवं जेवीपी कमेटी ने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की मांग को अस्वीकार किया।

वर्ष-1953 में आन्ध्रप्रदेश का गठन हिंसक प्रदर्शन के बाद हुआ तथा इसके समाधान हेतु फजल अली आयोग का गठन हुआ जिसने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की अनुमति दी।

संक्षेप में बताएँ

भाषायी राज्यों का गठन
- वर्ष-1960 [गुजरात, महाराष्ट्र]
- वर्ष 1963-नागालैण्ड
- वर्ष 1966 [पंजाब, हरियाणा]

लाभ
- # राज्यों के असंतोष को शांत किया
- # एकीकरण में सहायक सिद्ध हुआ
- # उत्तरी-पूर्वी राज्यों में शांति स्थापित करने में सम्भव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

good points !! साथ में उदाहरण भी दें

राष्ट्र की एकता बढ़ी तथा भाषायी विविधता का सम्मान।

अलगाववाद को रोकने में कामयाब हुए। जैसे-नागालैण्ड अलग राष्ट्र की मांग से राज्य की मांग से संतुष्ट हुए।

वंचना की भावना का निराकरण हुआ।

देश में राज्य गठन का एक स्थायी आधार मिला जो आगामी राज्यों के गठन का मार्ग जैसे - तेलंगाना।

हानि
- भाषा के आधार पर अनियंत्रित श्रृंखला बनी जो देश के लिए खतरा साबित हो सकती है जैसे - गोरखालैण्ड की मांग
- राज्यों के मध्य विवाद बढ़े जैसे - कर्नाटक महाराष्ट्र सीमा विवाद (बेलगांव हेतु)
- पुनर्गठन के प्रशासनिक मुद्दे गौण हो गए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

® ~~जितनी भाषाएँ उतने राज्यों की मांग~~

® दूसरे राज्यों में भी अनावश्यक मांगों को बढ़ावा मिला जैसे - विदर्भ की मांग

® विकास एवं प्रशासनिक कार्य बाधित

® राज्य पुर्नगठन आयोग ने भाषा को एकमात्र माध्यम नहीं माना बल्कि सांस्कृतिक प्रशासनिक एवं सामा आर्थिक आधारों की भी बात कही लेकिन इनके आधार पर गठन नहीं

® प्राकृतिक संसाधनों का असमान वितरण हुआ इसलिए पुनः राज्य विभाजन करने पड़े।

हालाँकि भाषायी आधार पर राज्यों के गठन तात्कालिक समय की मांग थी लेकिन वर्तमान में राज्य गठन के अन्य आधारों को भी महत्व देना चाहिए।

अच्छा प्रयास है

6

good

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. लैटिन अमेरिका को उपनिवेशवाद से मुक्ति मिलने के बाद भी स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता था। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Latin America was far from being independent even after decolonization. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लैटिन अमेरिका ~~को स्पेन~~ स्पेन, पुर्तगाल से उपनिवेशवाद से मुक्ति तो मिली लेकिन मुक्ति के पश्चात लैटिन अमेरिका शीतयुद्ध का अखाड़ा बन गया।

® सोवियत संघ ने लैटिन अमेरिका में अमेरिका के खिलाफ विद्रोह को भड़काया एवं साम्यवाद का प्रसार किया

® अधिकांश देश शीत युद्ध के कारण अपनी विदेश नीति को स्वतंत्र नहीं रख पाये।

® तानाशाही का दौर लैटिन अमेरिका में एक लम्बे समय तक रहा जैसे- ब्राजिल ब्राजील

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- देश आजाद हुए लेकिन नागरिक स्वतंत्रता नहीं मिली।
- (USA) अमेरिका ने लैटिन अमेरिका के देशों के सम्बंधों को प्रभावित किया
- नव उपनिवेशवाद के कारण इनके प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अन्य राष्ट्रों ने किया।
- नव साम्राज्यवादी ताकतों ने कठपुतली तानाशाहों का संरक्षण किया।
- गृह युद्धों के कारण स्वतंत्रता बाधित हुई।

निष्कर्ष अच्छा है

अच्छा प्रयास है

6½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः कह सकते है कि लैटिन अमेरिका में उपनिवेशवाद समाप्त तो हुआ लेकिन स्वतंत्र विदेश नीति के अभाव में रंग विचारधाराओं की राजनीति में यहाँ स्वतंत्रता नहीं मिली।

—— x ——

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में, भाषा न केवल देश की विविधता का प्रतिबिंब है, बल्कि जाति व्यवस्था, सांस्कृतिक उत्पीड़न और सामाजिक असमानताओं की वाहक भी है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

In India, language is not only a reflection of the diversity of the country but is also the carrier of the caste system, cultural oppressions and societal inequalities. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

good

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है जहाँ 22 भाषाओं को तो संविधान की 8 वीं अनुसूची में राष्ट्रभाषाओं के रूप में सम्मिलित किया गया है जबकि 1600 बोलियाँ विभिन्न समुदायों में बोली जाती है।

- भाषाएँ किसी भी समुदाय की संस्कृति, सामाजिक, आर्थिक स्थिती की द्योतक होती है इसलिए भारत की भाषायी विविधता को जाति, संस्कृति एवं समाज के विश्लेषण के स्तर पर देखने की जरूरत है।

भाषा और जाति व्यवस्था → भाषाओं की प्रकृति से जाति व्यवस्था की पहचान संभव है।

- निम्न जातियों के रूप में चिह्नित समुदायों की भाषा अपरिष्कृत एवं व्याकरण की दृष्टि से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अच्छा विश्लेषण

असमानीकृत होती है लेकिन उनकी भाषा में लोक संस्कृति एवं लोक जीवन भरा होता है जैसे- संथाली, बोडो, डोगरी भाषाएं।

- वहीं तथाकथित उच्ची जातियों की भाषा के पास परिष्कृत व्याकरण एवं पोषित परम्परा होती है जैसे- संस्कृत, अंग्रेजी

भाषा और सामाजिक असमानता - भाषा के माध्यम से समाज के स्तरीकरण को समझा जा सकता है। जैसे -

- अंग्रेजी भाषी समूह - 2.2% आबादी - कुलीन वर्ग/धनी
- हिन्दी भाषी समूह - 42% साधारण - मध्यम वर्ग

* भाषाएँ सामाजिक असमानता को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ले जाती है।
  ↳ जैसे- हिन्दी भाषी व्यक्ति स्वंय को अंग्रेजी भाषी के समक्ष हीन, निम्न मानता

* इसका मुख्य कारण भाषा के प्रयोक्ता वर्ग की सामाजिक, राजनीतिक अतीत है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(भाषा और सांस्कृतिक उत्पीड़न)

भाषाएँ सांस्कृतिक उत्पीड़न का माध्यम भी बन सकती है जैसे- पश्चिमी मूल्यों का प्रसार अंग्रेजी के आधार पर हुआ।

→ भाषाएँ सांस्कृतिक साम्राज्यवाद का प्रसार भी

हालाँकि हमेशा भाषाएँ सांस्कृतिक उत्पीड़न का माध्यम बने यह जरूरी नहीं कई बार भाषाएँ सांस्कृतिक समन्वय का भी माध्यम बन सकती है जैसे- हिन्दी + फारसी = उर्दू।

——— × ———

very Good

7½

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. कोरियाई युद्ध को समाप्त करने वाले "युद्धविराम समझौते, 1953" को लागू करवाने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Highlight the role played by India in effectuating the "Armistice Agreement, 1953", that ended the Korean War. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं और यह साम्राज्यवाद से किस प्रकार भिन्न था? (250 शब्द) 15

What do you understand by colonization, and how was it different from Imperialism? (250 Words) 15

उपनिवेशवाद से आशय किस राष्ट्र द्वारा दूसरे राज्य क्षेत्र या राष्ट्र पर आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक नियंत्रण द्वारा अपने औपनिवेशिक हितों की पूर्ति करना।

↳ जैसे - ब्रिटेन द्वारा भारत को उपनिवेश

- व्यापारिक हित ← - आर्थिक शोषण
- औपनिवेशिक हित → - सांस्कृतिक शोषण
- श्वेत जाति आभार ← - राजनीतिक नियंत्रण

very good

साम्राज्यवाद से आशय किसी राष्ट्र द्वारा राजनीतिक एवं सैनिक नियंत्रण द्वारा दूसरे राष्ट्र पर अपना नियंत्रण रखना।

↳ जैसे - इंडोनेशिया पर डचों द्वारा

हालाँकि यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं तथा एक दूसरे के हितों को बढ़ाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साम्राज्यवाद उपनिवेशवाद से भिन्न कैसे?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1) साम्राज्यवाद में राजनीतिक रूप सैनिक तत्व महत्वपूर्ण होता है तथा मूलतः साम्राज्यवाद एक राजनीतिक अवधारणा है

↓

वहीं उपनिवेशवाद एक आर्थिक अवधारणा है जिसमे सभी तत्व शामिल है लेकिन औपनिवेशिक हित सर्वोपरि होते है।

2) उपनिवेशवाद कोई गैर-राज्य संस्था भी स्थापित कर सकती है। जैसे

*जैसे - ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा भारत को उपनिवेश बनाना

↓

जबकि साम्राज्यवाद एक राज्य/राष्ट्र द्वारा स्थापित किया जाता है।

Good

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3) साम्राज्यवाद राष्ट्रवाद की भावना से जुड़ा है जबकि उपनिवेशवाद आर्थिक लाभ

जैसे- जर्मनी द्वारा अफ्रीका में अपने राज्यों की स्थापना

अतः हम कह सकते है कि दोनों ही किसी उपनिवेश या अधीन राज्य एवं नागरिकों के शोषण से जुड़े है तथा दोनों एक दूसरे को बढ़ाते है।

—— x ——

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation